Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 5570585

Roll No. 24034000030
Total Mark 68/75.00

Exam MASTER OF ARTS MUSIC VOCAL_ODD EXAM-DEC-24
Subject A320701T - GENERAL AND APPLIED MUSIC THEORY -

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	5/5						
1B	5/5						
1C	3/5						
1D	5/5						
1E	5/5						
1F	4/5						
1G	5/5						
1H	4/5						
1I	5/5						
2	13/15						
3	NA/15						
4	NA/15						
5	NA/15						
6	14/15						
7	NA/15						
8	NA/15						
9	NA/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

PART-II

Date of Exam: 17-12-24 Shift: 1 Room No.: 28
Paper Code: A3207017 Subject: MUSIC VOCAL Yes/Sec: 1
Name of Candidate: ANUSHKA BAJPAI
Roll No.: 2 4 0 3 4 0 0 0 0 3 0

COE Facsimile

Signature of Invigilator

Signature of Candidate

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks

Total Marks in Words

Paper Code: A 3 2 0 7 0 1 T

Signature of Evaluator

Course: M.A.
Session: 2024-25 Year/Semester: 1st (1)
Subject Name: MUSIC (VOCAL)
Medium: English ○ Hindi ●

Paper Code: A 3 2 0 7 0 1 T

Exam Date: 1 7 1 2 2 0 2 4

Name of Candidate: A N U S H K A B A J P A I

Father's Name: A N A N D K R. B A J P A I

महाविद्यालय का कोड College Code: K N 1 5

परीक्षा केन्द्र का कोड Exam Centre Code: K N 1 5

परीक्षा का प्रकार Type of Exam: संस्थागत Regular ● भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex-Student ○ व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.

5570585

Paper Code: A 3 2 0 7 0 1 T

नामांकन संख्या Enrollement Number: C S J M A 2 4 0 0 0 0 1 3 9 4 2

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2 4 0 3 4 0 0 0 0 3 0

पेपर कोड Paper Code: A 3 2 0 7 0 1 T

Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट - 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि उत्तरपत्र पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. गोलों में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जाये।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken the circles completely.

Correct Method	Incorrect Method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ⊙

4. Make no Stray marks on this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOD UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्धारित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाइल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लेस साइंटिफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या कटे हुए है, [illegible] शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसके [illegible] होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा को[illegible] नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त शीट नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, S[illegible] Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in sta[illegible] as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

Paper Code A320701T

Section - A

1. (A) राग अहीर भैरव

प्रस्तुत राग अहीर भैरव राग भैरव का एक प्रकार है जो भैरव रागांग के अंतर्गत रखा जा सकता है।

यह राग भैरव (पूर्वांग में) तथा काफ़ी (उत्तरांग में) से मिलकर बना है।

पूर्वांग में भैरव → रे-म की संगति तथा रे पर आंदोलन
उत्तरांग में काफ़ी → नी तथा चलन

कुछ मतभेद के कारण कुछ विद्वानों के अनुसार उत्तरांग में काफ़ी की जगह खमाज भी माना जाता है।

राग का संक्षिप्त परिचय :-

थाट → भैरव (रे, नि ; शेष स्वर शुद्ध)
जाति → सम्पूर्ण - सम्पूर्ण
गायन समय → प्रातः काल संधिप्रकाश राग (रे, म, ग)
वादि - सम्वादी → म - स
समप्रकृतिक राग → भैरव, काफ़ी आदि
न्यास स्वर → स नि म

आरोह → स रे ग म प ध नी सां
अवरोह → सां नी ध प म ग म रेऽस
पकड़ → ध नि रे स, ग म रेऽ रेऽ स

प्रस्तुत राग यद्यपि अत्यधिक प्राचीन नहीं है किन्तु अत्यधिक प्रचलित राग है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

प्रस्तुत राग की भैरव से बचाने के लिए हम 'नि' का प्रयोग करते हैं व अन्य रागों से बचाने के लिए 'रे' का प्रयोग किया जाता है।

यह राग तीनों सप्तकों में खिलता है व गाया जाता है तबकी खलत व वादि-सम्वादि इसे उत्तरांग प्रधान बनाते हैं।

यह अत्यधिक कर्णप्रिय राग है।

(B) भैरव अंग

भैरव अंग स्व. नारायण मोरेश्वर खरे जी द्वारा विभाजित [30] अंगों रागांगों में से एक अंग है जो अत्यधिक प्रचलित है।

राग भैरव इस अंग का एक प्रमुख राग है

इस अंग के सूचक स्वर समुदाय :-

- ग म रे ग रे स
- ग म धु ऽ धु ऽ प

भैरव अंग में ग-म की संगति रे-म की संगति खूब होती है व रे पर आंदोलन रहता है।

इस अंग में रे कोमल व म शुद्ध होने के कारण व ग शुद्ध होने से मुख्यत: यह इस रागांग के राग प्रात: काल संधिप्रकाश राग

होते हैं।

जिन स्वरों के श्रवण मात्र से रागमर्मज्ञों को यह पता चल जाए कि इस स्वर समुदाय में अमुक राग झाँक रहा है, इसे छाया कहते हैं तथा उस प्रमुख स्वर समुदाय को रागांग।

भैरव रागांग अपने आप में एक प्रमुख रागांग है व इसकी अपनी एक छवि है जो इस रागांग के प्रत्येक राग में दिखती है।

इस रागांग के कुछ राग :-
अहीर भैरव
बैरागी भैरव
नट भैरव आदि

(c) ताल दीपचंदी :-

मात्रा → 14
विभाग → 4
ताली → 1, 4, 11 पर
खाली → 8 पर

धा	धिं	-	धा	धा	तिं	-	ता	धिं	-	ता	धा	धिं	-
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14.
x			2				0			3			

Do Not Write anything in this Portion

(D) 'लय'

संगीत अर्थात गायन, वादन एवं नृत्य तीनों ही विधाओं में 'लय' का एक प्रमुख स्थान है जिसके बिना यह तीनों विधाएँ अपूर्ण हैं।

'लय' से किसी गायक का तात्पर्य गीत के चलने की गति से होता है। अर्थात किसी भी गीत को किसी अमुक ताल में गाने पर एक आवर्तन की अवधि को जिसे समय की दृष्टि से आँका जाए उसे लय कहते हैं।

लय ~~प्रमुखतः~~ तीन प्रकार की हो सकती हैं:-

- विलम्बित लय
- मध्य लय
- द्रुत लय

गायन विधा में विलम्बित लय में बड़ा ख्याल, ध्रुपद आदि एक ताल, चार ताल, शिखर ताल आदि में गाए जाते हैं।

मध्य लय में छोटा ख्याल, ध्रुपद आदि तीनताल, शूल ताल आदि में गाए जाते हैं।

द्रुत लय में छोटे ख्याल की बंदिशें व तराने और त्रिवट गाए जाते हैं।

Paper Code

5

E) पंडित भातखण्डे जी के 10 थाट :-

1. बिलावल → स रे ग म प ध नी
2. भैरव → स रे ग म प ध नी
3. आसावरी → स रे ग म प ध नी
4. भैरवी → स रे ग म प ध नी
5. मारवा → स रे ग मं प ध नी
6. पूर्वी → स रे ग मं प ध नी
7. तोड़ी → स रे ग मं प ध नी
8. काफी → स रे ग म प ध नी
9. खमाज → स रे ग म प ध नी
10. कल्याण → स रे ग मं प ध नी

F) ध्रुवपद स्वरलिपि :

राग अहीर भैरव → चारताल

स्थाई - शंकर हर महादेव
सेवक सुर जाके .

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
शं	ऽ	क	र	ह	र	म	हा	ऽऽ	देऽ	ऽ	व
ग	ग	म	रे	गम	म	ग	म	गम	रेऽ	सरे	स
से	ऽ	व	क	सु	र	जा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ
नि	नि	स	ध	नि	स	रे	ऽ	ग	ग	रे	स
धा	धा	धिं	ता	तिट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन
×		०		२		०		३		४	

Do Not Write anything in this Portion

6) राग पूरिया कल्याण –

राग पूरिया कल्याण, कल्याण रागांग, व मारवा थाट का राग है।

यह राग; सम भाव के समान
राग [पूरिया] व राग [कल्याण] का मिश्रण।
(नि रे ग) (म ध नी)
पूर्वांग में पूरिया व [illegible] राग में कल्याण राग
इस राग में [illegible] ता है।

दोनों ही रागों का मिश्रण इस राग में कहीं भी दर्शाया जा सकता है। इस राग में रे, प, ध अत्यधिक मुख्य स्वर हैं जिनका प्रयोग हमें:–
रे → कल्याण से बचाता है।
प → पूरिया से बचाता है।
ध → पूरिया धनाश्री से बचाता है।

इस राग में 'रे' का प्रयोग मारवा के समान स्वतंत्र नहीं है अपितु पूरिया के समान:
ग → प्रधान व रे → गौड़ है।
यदि 'रे' का प्रयोग प्रबल कर दिया जाय तो ये राग मारवा कल्याण बन जायगा)

संक्षिप्त परिचय :–
थाट → मारवा
वादि-सम्वादी → ग, नी
समय → संधिप्रकाश (सांयकाल) (रे म ग)
जाति → सम्पूर्ण
समप्रकृतिक राग → पूरिया धनाश्री, यमन आदि

Paper Code

पूरिया कल्याण कल्याण

आरोह → नि रे ग मं प मं ध नी सां

अवरोह → रें नी ध प मं ग मं रे ग रे स

कल्याण अंग प्रधान होने के कारण इसे 7 pm के बाद भी गाते हैं।

H) मसीतखानी गत

गायन विद्या में गायन कई प्रकार की लय में समय व देशकाल के अनुसार, बंदिश के प्रकार तथा बोल, सुनने आए लोगों की रुचि, गायक के अनुसार व गीत के भाग के अनुसार किया जा सकता है।

मसीतखानी गत / विलम्बित ख्याल लय का अथवा ख्याल का एक प्रकार है जिसमें गीत के बोल धीमि / विलम्बित लय में ताल बद्ध होकर गाए जाते हैं।

उदाहरण :-
एक ताल पर किसी राग का बड़ा ख्याल हम विलम्बित कर 24 मात्रा (यानि 1 में 2 मात्रा) व 48 मात्रा (यानि 1 में 4 मात्रा) बनाकर गा सकते हैं।

मसीतखानी गत गायक को स्वछन्द रूप से राग के स्वरूप को दिखाने का अवसर प्रदान करती है व लंबी तानों के साथ-साथ विस्तार पूर्वक आलाप कर बंदिश व राग के रस को भावपूर्ण रूप से दिखाने का अवसर प्रदान करती है।

उसी प्रकार रज़ाखानी गत / छोटा ख्याल भी गाया जाता है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

I) रागों के स्वर समूह

क) ध़ नि़ रे सा, ग म रे स → अहिर भैरव

ख) नि़ रे ग, प मं ग रे, नि़ रे स → यमन

ग) ग [illegible] मं ग, मं रे ग रे सा → पूरिया कल्याण

घ) ग म ध ध प, ग म रे स → भैरव

Paper Code

Section-B (any one)

2. स्थाई व विलम्बित ख्याल

राग पूरिया कल्याण :-

आरोह → नि रे ग मं प, मं ध नी सां
अवरोह → सां नी ध प मं ग मं रे ग रे स
पकड़ → नि प मं ध प मं ग रे स

थाट → मारवा
समय → सायंकाल संधिप्रकाश
वादी - संवादी → ग, नी
जाति → सम्पूर्ण

स्थाई → आज सो बन-बन आयो।
लाड़ लड़ावत दे माई॥

(12मात्रा ताल) एकताल (12मात्रा में विलम्बित)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धी	ना
										आऽ	जग्री
										प-	गमंगरे
ब	ऽ	न	ऽ	ब	न	आ	ऽ	यो	ऽ	लाऽ	इन
मं	मं	ग	ग	मं	ग	रे	रे	स	स	निनि	सरे
ड़ा	ऽ	वऽ	तऽ	दी	ऽ	मा	ऽ	ई	ईऽ		
ग	ग	ग गमंधमं		प	प	मं	ग	[illegible]	स		
x		0		2				3		4	

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

मुक्त आलाप :

1) नि - रे - ग - - - मं धं प मं ग रे स नि रे स
2) प - - - मं ध प - मं ग मं रे ग रे स -

मुक्त तान :

1. निरेगमं पमंधप मंधपमं गमंरेग
रेसनिध पधनीस मंधनीध पमंधप
धपमंप गमंरेग रेसनिध पधनिध
नीनीधध पमंगमं रेगमंग रेसनिस

2. पमंपग मंरेगरे निरेग- रेगमं -
गमंधध धपमंप गमंपमं रेगमंग
रेसनिध पधनीप नीध[illegible]पमं [illegible]ग रेस

Paper Code

11

Section-C (any one).

6. परिचय

राग बैरागी भैरव :

प्रस्तुत राग भैरव अंग का एक अत्यधिक कर्णप्रिय राग है जिसे माना जाता है कि पंडित रवि शंकर जी द्वारा प्रचलित किया गया।

संक्षिप्त परिचय :

थाट → भैरव (रे॒, नि॒, शेष स्वर शुद्ध)
जाति → औड़व- औड़व (ग-ध वर्ज्य)
समय → प्रातः काल
वादि-सम्वादि → म - स

आरोह → स रे॒ म प नि॒ सं
अवरोह → सं नि॒ प म रे॒ स
पकड़ → रे॒ म प म रे॒ स नि॒ रे॒ स

प्रस्तुत राग के पूर्वांग में राग गुनकली (स रे॒ रे॒ म- रे॒ स) तथा उत्तरांग में राग मध्यमाद सारंग (प नि॒ सां नि प) मिलता है।

यह राग अपने आप में अत्यधिक कर्णप्रिय व अनोखा है किन्तु इसमें अंग भैरव व सारंग अंग की छाया दिखती है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

राग श्याम कल्याण

प्रस्तुत राग कल्याण अंग का एक अत्यधिक मधुर व प्रचलित राग है।

यह राग → राग कामोद तथा राग कल्याण
(गम रे स) (मे धनी सां)
का मिश्रण है।

संक्षिप्त परिचय :

थाट → कल्याण
जाति → औडव - सम्पूर्ण (आरोह में ग-ध वर्ज्य)
समय → दिन का अंतिम प्रहर
वादि - सम्वादी → प - स
सम्प्रकृतिक राग → कामोद आदि।

आरोह → स रे मे प नी (ध)नी सां
अवरोह → सां नी ध प मे प, म रे, ग म रे स
पकड़ → रे मे प, म रे, ग म प म रे स।

प्रस्तुत राग में दोनो मध्यमों का (आरोह-मे तथा अवरोह में - म (शुद्ध)) प्रयोग किया जाता है।

इस राग में 'ग' का प्रयोग अल्प (धपमेपमरे) व वक्र (ध प मे प, ग म रे) होता है।

प्रस्तुत राग में 'नी' का प्रयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यद्यपि आरोह में [illegible] (ध) वर्ज्य

Paper Code

हैं किंतु आरोह में 'नी' के साथ 'ध' का कण लेते हैं जो कल्याण अंग का परिचायक है।

इस राग को कामोद से बचाने के लिए रे मे प लेते हैं जबकि कामोद में रे-प की संगति खूब होती ~~है~~ है।

शुद्ध सारंग से बचाने के लिए 'ग' का प्रयोग किया जाता है।

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

15

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

17

X

Paper Code

18

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

21

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

23

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion